PAPER-III
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

D	3	3	1	3

Time : **2 ½** hours]   [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **16**   Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

डोगरी

प्रश्नपत्र – III

नोट : इस पेपर च **पच्हत्तर (75)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआल दे **दो** (2) नंबर न । **सारे** सुआल जरूरी न ।

1. निघण्टु :

(अ) इक चाल्ली दे संस्कृत कोश होंदे न ।

(ब) अक्सर वैदिक कोश होंदे न ।

(स) इ'नें कोशें च अर्थ नेईं दित्ते गेदे होंदे ।

(द) ब्राह्मण ग्रंथें दे संकलन गी बी निघण्टु आखेद न ।

(A) (अ) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) हेमचंद्र	(i) वाक्यपदीयम्
(ब) पतंजलि	(ii) शब्दानुशासन
(स) कात्यायन	(iii) महाभाष्य
(द) भर्तृहरि	(iv) वार्तिक

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

3. रूप, मुक्त रूपग्राम ते आबद्ध रूपग्राम दे क्रम दे स्हाबें इ'नें इकाइयें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) घोड़े, रात, –एं (जागतें)

(B) रात, –एं, घोड़े

(C) घोड़े, –एं, रात

(D) –एं, रात, घोड़े

4. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A "जेह्ड़ा जागत कल धारा पर बंसरी बजाऽ करदा हा, अज्ज उसगी सम्मानित कीता गेआ ऐ ।" वाक्य इक मिश्रत वाक्य ऐ । मिश्रत वाक्य च दो जां मते उपवाक्य होंदे न ।

R मिश्रत उपवाक्य च भामें दो जां मते होंदे न पर उ'नें उपवाक्यें चा इक उपवाक्य मुक्ख होंदा ऐ ते बाकी उसेद आश्रित ।

(A) A ते R दोऐ गल्त न ।

(B) A ठीक ऐ पर R दा A कन्नै कोई सरोकार नेईं ।

(C) R ठीक ऐ ते A पूरी चाल्ली ठीक नेईं ।

(D) A ते R दोऐ ठीक न ते R A दी स्हेई व्याख्या करा करदा ऐ ।

5. ध्वनि विज्ञान दियां उपशाखां मन्नियां जंदियां न :

(A) उच्चारण मूलक, प्रचार मूलक, श्रवण मूलक

(B) ध्वनि मूलक, रूप मूलक, अर्थ मूलक

(C) उच्चारण मूलक, श्रवण मूलक, प्रसार मूलक

(D) प्रसार मूलक, उच्चार मूलक, ध्वनि मूलक

6. तालव्य व्यंजन न :

(अ) च्, थ्, ञ्

(ब) छ्, ज्, ठ्

(स) ज्, य्, ञ्

(द) च्, श्, छ्

(A) (अ) ते (द) ठीक न ।

(B) (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) कोई बी ठीक नेईं ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2	
(अ)	त्	(i)	अल्पप्राण, सघोश
(ब)	ब्	(ii)	महाप्राण, अघोश
(स)	ठ्	(iii)	महाप्राण, सघोश
(द)	ह्	(iv)	अल्पप्राण, अघोश

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

8. व्यंजनागम, व्यंजनलोप, स्वरागम, स्वरलोप क्रम दे स्हाबें इ'नें ध्वनि-परिवर्तत शब्दें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) धरम, पन्त, होली, क्रोपी

(B) क्रोपी, होली, धरम, पन्त

(C) होली, क्रोपी, पन्त, धरम

(D) पन्त, होली, धरम, क्रोपी

9. वाच्य :

(अ) इक व्याकरणिक कोटि ऐ ।

(ब) आख्यात पदें च नुमायां होंदी ऐ ।

(स) वाक्य नामपदें दी प्रधानता दी तर्जमानी करदी ऐ ।

(द) क्रिया दे भाव दी बी प्रधानता व्यंजत करदी ऐ ।

(A) (अ), (ब), (स), (द) सब्भै ठीक न ।

(B) सिर्फ (अ) ते (स) ठीक न ।

(C) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(D) सिर्फ (ब) ते (द) ठीक न ।

10. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1		**चंदी**-2	
(अ)	करेआं	(i)	मध्यम पुरश, इकवचन, आज्ञार्थ भविक्ख
(ब)	करगेओ	(ii)	मध्यम पुरश, बहुवचन, निश्चयार्थ भविक्ख
(स)	करङन	(iii)	अन्य पुरश बहुवचन, निश्चयार्थ भविक्ख
(द)	करङ	(iv)	उत्तम पुरश, इकवचन, निश्चयार्थ भविक्ख

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(B)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

11. अनुसरता, विपरीतता, तुलनात्मकता, सादृश्यता अर्थें दे क्रम दे स्हाबें इ'नें संबंध-सूचकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) निस्बत, उल्ट, आंगू, मताबक

(B) आंगू, मताबक, उल्ट, निस्बत

(C) मताबक, उल्ट, निस्बत, आंगू

(D) मताबक, निस्बत, उल्ट, आंगू

12. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A डोगरी विशेशन-रचना च मूल विशेशनें दे इलावा यौगिक विशेशन बी बरतोंदे न, जियां शानदार, बेजोड़, संदोरवी ।

R यौगिक विशेशन-रचना च मूल अंश नामपद धातु बगैरा गै होंदे न ।

(A) A ते R दोऐ ठीक न ।

(B) A बी ठीक ऐ ते R बी, पर R आंशिक व्याख्या करदा ऐ ।

(C) A गलत ऐ, पर R ठीक ऐ ।

(D) A ते R दोऐ ठीक न ते R A दी स्हेई व्याख्या करदा ऐ ।

13. इं'दे च भाव-वाच्यीय वाक्य ऐ :

(A) मेरे शा कताब नेईं पढ़ोई ।

(B) उं'दे कशा कम्म होना संभव नेईं ।

(C) मेरे शा उत्थै नेईं गै जनोआ ।

(D) तेरी आरबला लम्मी होऐ ।

14. नामिक क्रिया :

(अ) संज्ञाएं कशा बनदी ऐ ।

(ब) धातुएं कशा बनदी ऐ ।

(स) संज्ञाएं बगैरा गी गै काल, वाच्य, पुरश, लिंग, वचन आदि लेई रूपायन होंदा ऐ ।

(द) बडेरना, बडेआना, त्रेहाना, भरवना बगैरा नामिक क्रियां न ।

(A) (अ), (ब), (द) ठीक न ।

(B) (अ), (स), (द) ठीक न ।

(C) सिर्फ (द) ठीक ऐ ।

(D) सिर्फ (स) ते (द) ठीक न ।

15. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	प्रश्नवाचक सर्वनाम	(i)	आपूं
(ब)	अनिश्चयवाचक सर्वनाम	(ii)	एह्
(स)	निश्चयवाचक सर्वनाम	(iii)	किश
(द)	निजवाचक सर्वनाम	(iv)	केह्

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

16. डोगरी च लम्मी कविता :

(अ) सारें शा पैह्ले 1972 च छपी ।

(ब) दे रचनाकार कुंवर वियोगी न ।

(स) दा सिरलेख चाननी हा ।

(द) पुस्तक च डोगरी दे कन्नै हिंदी पद्यात्मक रूप बी ऐ ।

(A) (अ) (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (अ) (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ) (ब) ते (द) ठीक न ।

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	बाबा कांशीराम	(i)	हास्य रस दी कविता
(ब)	दीनू भाई पंत	(ii)	समाज सुधार ते राजनीतिक
(स)	हर दत्त शास्त्री	(iii)	समाज सुधार ते धार्मिक
(द)	जगननाथ कालरा	(iv)	देश प्रेम ते समाज-सुधार

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(B)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(C)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

18. कालक्रम दे स्हाबें साहित्य अकादेमी पासेआ पुस्कृत पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :
(A) घर, मेरी कविता मेरे गीत, इक शैह्र यादें दा, बेह्दन धरती दी
(B) मेरी कविता मेरे गीत, घर, इक शैह्र यादें दा, बेह्दन धरती दी
(C) बेह्दन धरती दी, इक शैह्र यादें दा, मेरी कविता मेरे गीत, घर
(D) बेह्दन धरती दी, घर, इक शैह्र यादें दा, मेरी कविता मेरे गीत

19. लैह्रां :
(अ) दे लेखक यश शर्मा न ।
(ब) दे लेखक अश्विनी मगोत्रा न ।
(स) दा प्रकाशन ब'रा 1975 ऐ ।
(द) दी शैली भाव तरंगात्मक ए ।
(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (स) ठीक न ।
(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

20. रूत लगदी जदूं बदलोन,
मिगी तेरा मंद लगदा ।
(A) पद्मा सचदेव
(B) चम्पा शर्मा
(C) रामनाथ शास्त्री
(D) जितेन्द्र उधमपुरी

21. 'नंगा रूक्ख' उपन्यास :
(अ) दे लेखक नरसिंह देव जम्वाल न ।
(ब) दे लेखक ओ.पी.शर्मा सारथी न ।
(स) प्रतीकात्मक शैली दा ऐ ।
(द) हास्य रस सरबंधी ऐ ।
(A) (अ) ते (द) ठीक न ।
(B) (ब) ते (द) ठीक न ।
(C) (ब) ते (स) ठीक न ।
(D) (अ) ते (स) ठीक न ।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	गोदान	(i)	फनीश्वरनाथ रेणु
(ब)	नीला कमल	(ii)	प्रेमचंद
(स)	उमराओ जान अदा	(iii)	राजेन्द्र सिंह वेदी
(द)	इक चादर मैली जनेही	(iv)	मिर्जा मुहम्मद हादी रुस्वा

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(D)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

23. किले दा कैदी, हाशिये दे नोट्स, मील पत्थर, टापू दा आदमी पुस्तकें दे स्हाबें इंदे लेखकें दा स्हेई क्रम ऐ :
(A) छत्रपाल, धर्मचंद प्रशांत, ओम गोस्वामी, बंधु शर्मा
(B) बंधु शर्मा, छत्रपाल, धर्मचंद प्रशांत, ओम गोस्वामी
(C) धर्मचंद प्रशांत, ओम गोस्वामी, बंधु शर्मा, छत्रपाल
(D) ओम गोस्वामी, छत्रपाल, धर्मचंद प्रशांत, बंधु शर्मा

24. 'निला अम्बर काले बदल' :
(अ) इक क्हानी संग्रैह् ऐ ।
(ब) च ग्राईं ते शैह्री परिवेश दियां क्हानियां न ।
(स) दे लेखक ओम गोस्वामी होर न ।
(द) गी 1970 ब'रे दा साहित्य अकादेमी पुरस्कार थ्होएदा ऐ ।
(A) (अ), (ब), (स) ठीक न ।
(B) (ब), (स), (द) ठीक न ।
(C) (अ), (ब), (द) ठीक न ।
(D) (अ), (स), (द) ठीक न ।

25. मील पत्थर :

(A) इक उपन्यास ऐ ।

(B) इक इतिहासक गद्य रचना ऐ ।

(C) दे लेखक सुखदेव सिंह चाड़क होर न ।

(D) इक क्हानी संग्रैह् ऐ ।

खल्लदित्ते दे पैह्‌रे गी पढ़ो, ते इनें सुआलें दा अपनी समझा मताबक, उत्तर देओ :

परमानंद 'अलमस्त' होर इस दशक च बरोबर रोमानी जां छायावादी धारा च लिखदे रेह्, पर उन्नी सौ पंजाहें दे 'अलमस्तै' दी अलमस्तीते रोमानियत, उंदे अपनी बरेसा दे पंजाहें च होने करी जां जिंदगी दे तजरबें करी, सोचें दे छौरे हेठ औंदी लभदी ऐ । इस अर्से दियें उंदियें सत्तें नमियें रचनाएं ते गीतें चा, चऊं च पैह्‌लें आह्‌ली रोमानी सोह्‌ल भावुकता, मठास, संगीतात्मकता, ते कुदरत दे शलैपे दा गुहाड़ नजरी औदा है ; बाकी त्रै सोचें दे भारै हेठ दबोइयां, फिक्कियां ते हिस्सी दियां जन लगदियां ना 'कागद चित्तरी' ते 'गोरी झुंड नेईं खोहलै' नांड दिये ंकविताएं च कवि अफने रंगै च सरोबार लभदा ऐ, जिंदे च ओह् नारी दी सुंदरता दा ते बिछड़े दे प्रेमियें दी बिरहा वेदना दा वर्णन करदा ऐ । इत्थें, ओह् गोरी दे नैन-नक्शें ते काठी-घाटै दी सरात्‌ना करदा थकदा नेईं ते इस शलैपे दा बखान करदे-करदे नुहाड़ा मनुआ इयां डोलन लगी पौंदा ऐ जि'यां थालियै च पानी कंबदा ऐ । ओह्‌दे नैन-रूपी चकोरै गी गोरी दा मुखड़ा पुन्नेआं दा चन्न-जन लभदा ऐ, नुहाड़े गुलाबी होठें ते मोतियें दी लड़ियें, मतलब दंदें चा, किरदे मिट्‌ठडे बोल चम्बे दियें कलियें आहंगर सुहामे लगदे न, सौन म्हीनै जेलै पुरे दी ठंडी हवा झुलदी ऐ, काले बदलें चा बिजली लिपूकदी ऐ, ते धूड़ां घेरा पाई लैंदियां न, धारां सैलियां फिरी जंदियों न, झरने, नाड़ू, छप्पड़ियां ते सर पानियै कन्नै भरोची जंदे न, मोर पालां पांदे न, कूंजा करलांदियां ते कोयलां कूकदियां न, तां गोरी दुआस होई जंदी ऐ, कैंतागी चिट्ठियां लिखी-लिखी, कागद चित्तरी-चित्तरी, नुहाड़ियां कलमां त्रुट्टी जंजियां न, परकैंत, परतोंदा नेईं, ते गोरी औंसियां पांदी, काग डुआरदी, सुग्गे गी चूरी दिंदी ऐ, ते प्रीतम गी सने हे भेजदीऐ, इस चाल्ली दे उसदे प्रेम-शृंगार रस दे गीत बड़े बांके न, बाकी विशें उप्पर 'अलमस्त' दियें कविताएं च अनुभूति ते चिंतन दी कमी ऐ – ओह् शब्दें दा कठेर-मात्र गै लभदे न ।

26. अपनी बरेसा दे पंजाहें च होने करी 'अलमस्त' हुंदी रोमानियत आम तौरा पर :

(A) सोचें दे छौरें हेठ औंदी लभदी ऐ ।

(B) सोह्‌ल भावुकता कन्नै भरोची दी लभदी ऐ ।

(C) हासे-गड़ाकें दी गूंजा च गूंजदी ऐ ।

(D) छायावादी कविता दा प्रभाव जाह्‌र करदी ऐ ।

27. 'कागद' चित्तरी ते 'गोरी झुंड नेईं खोह्‌लै' कवितां

(A) सोचें दे भारै हेठ हिस्सी दियां लभदियां न ।

(B) मठास, संगीतात्मता ते कुदरती शलैपे कन्नै भरोची दियां लभदियां न ।

(C) नारी दी सुंदरता ते बिरहा-बेदना दा वर्णन करदियां न ।

(D) गोरी दे नैन-नक्शें ते काठी दी सराह्‌ना करदियां न ।

28. गोरी चिट्ठियां लिखदी ऐ, कागज चित्तर दी ऐ :

(A) पढ़ियै कैंत्त परतोई औंदा ऐ ।

(B) कैंत्त नेईं परतोंदा

(C) गोरी छड़ी औंसियां गै पांदी ऐ ।

(D) कोयलें दें कूकने करी गोरी दुआस होई जंदी ऐ ।

29. 'थाली दे बिच जि'यां पानी कूंबदा, ईयां गोरी गी दिक्खियैं कविदा मन डोलन लगी पौंदा ऐ । भाव दी कविता च

(A) नख-शिख सौंदर्य दा चित्रण ऐ ।

(B) वियोग शृंगार दा चित्रण ऐ ।

(C) खिंझ दा चित्रण ऐ ।

(D) खुशी दा चित्रण ऐ ।

30. 'नैन-रूपी चकोर' प्रयोग च

(A) उपमा अलंकार बरतोए दा ऐ ।

(B) रूपक अलंकार बरतोए दा ऐ ।

(C) अनुप्रास अलंकार बरतोए दा ऐ ।

(D) दृश्टांत अलंकार बरतोए दा ऐ ।

31. रियास्ती कल्चरल अकैडमी पासेआ प्रकाशत गद्य पुस्तकां न :

(अ) डुग्गर दा सांस्कृतिक इतिहास

(ब) डोगरी लोकवार्ता सरूप ते विश्लेशन

(स) अक्खर-अक्खर चाननी

(द) दिन-दिन जोत सोआई

(A) (अ) (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब) (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ) (ब) ते (स) ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	रेखा चित्र	(i)	क्हानी एक सफर दी श्रीनगर थमां लंडन तक ।
(ब)	यात्रा लेख	(ii)	पगडंडियां
(स)	संस्मरण	(iii)	होटलै आह्ला पंत
(द)	आत्मकथा	(iv)	जम्मू दा पराना रंगमंच

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(D)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

33. जीवनी, आत्मकथा ते जीवनी नुमां लेख दे स्हाबें इ'नें गद्य-रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) शेरे डुग्गर लाला हंसराज, चंद्रभागा दी आत्मकथा, ओह्बी दिन हे ।

(B) ओह्बी दिन हे, शेरे डुग्गर लाला हंसराज, चंद्र भागा दी आत्मकथा

(C) शेरे डुग्गर लाला हंस राज, ओह् बी दिन हे, चंद्र भागा दी आत्मकथा

(D) चंद्र भागा दी आत्मकथा, शेरे डुग्गर लाला हंसराज, ओह्बी दिन हे ।

34. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A मनुक्खी मन चलायमान ऐ । एह् टकाई करियै कदें बी नेईं बौंह्दा । एह् पलै च दिक्खे-अनदिक्खे थाह्रें दी सैर करी औंदा ऐ । इसदा कोई पार नेईं पाया जाई सकदा ऐ ।

R की जे मन बिजली दे तारें आह्ला लेखा चंचल ते तुरत होंदा ऐ जेहूड़ा कदें बी कुसै थाह्रै पर पुज्जी जंदा ऐ । इस करी एह्दे बारै किश बी आखना कठिन ऐ ।

(A) A गल्त ऐ ते R स्हेई ऐ ।

(B) A स्हेई ऐ पर R A दी व्याख्या स्हेई नेईं कर दा ऐ ।

(C) A स्हेई ऐ ते R A दी पुश्टि करा दा ऐ ।

(D) A ते R दौनें च कोई मेल नेईं ऐ ।

35. साहित्य अकादेमी पासेआ प्रकाशत गद्य पुस्तक ऐ :

(A) अक्खर – अक्खर चाननी

(B) नमें निबंध

(C) डुग्गर दा जीवन दर्शन

(D) निबंध सुषमा

36. परौह्नचारी :

(अ) च मेह्मानें दी मैह्मा दा अंत नेईं गलाए दा ऐ ।

(ब) च मेहमानें दी मैह्मा दा अंत गलाए दा ऐ ।

(स) इक व्यंगात्मक निबंध ऐ ।

(द) दे लेखक श्याम लाल शर्मा होर न ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ) ते (स) ठीक न ।

37. पैह्‌ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	नंबर लैने आह्‌लियां मशीना	(i)	नीलाम्बर देव शमा
(ब)	प्हाड़ें दे अंदरै दी भड़ास-भाख	(ii)	शिवनाथ
(स)	चेते किश खट्टे किश मिट्ठे	(iii)	ललित मगोत्रा
(द)	मेरे समें दा जम्मू	(iv)	वेदराही

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(B)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(C)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

38. डोगरी गद्य-पुस्तकें दा प्रकाशन क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(A) डुग्गर दा जीवन दर्शन, डोगरी लेख माला, डुग्गर दा सांस्कृतिक इतिहास

(B) डुग्गर दा सांस्कृतिक इतिहास, डुग्गर दा जीवन दा दर्शन, डोगरी लेख माला

(C) डोगरी लेखमाला, डुग्गर दा जीवन दर्शन, डुग्गर दा सांस्कृतिक इतिहास

(D) डोगरी लेखमाला, डुग्गर दा सांस्कृतिक इतिहास, डुग्गर दा जीवन दर्शन

39. पंज कल्याणी :

(अ) इक नुक्कड़ नाटक ऐ ।

(ब) इक मुकम्मल रंगमंची नाटक ऐ ।

(स) एक अनूदित नाटक ऐ ।

(द) दे रचनाकार मोहन सिंह न ।

(A) (अ,) (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

40. पैह्‌ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	अल्हड़ गोल्ली बीर सपाही	(i)	दीनूभाई पंत
(ब)	सरपंच	(ii)	जितेन्द्र शर्मा
(स)	पंजरग	(iii)	रामनाश शास्त्री
(द)	झकदियां किरणां	(iv)	नरसिंह देव जम्वाल

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

41. समाजी, पौराणिक, इतिहासक, मनोविज्ञानक विशे क्रम दे स्हाबें हेठ दित्तेगेदे नाटकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) जीने दी कैद, कच, सरकार, जनौर ।

(B) कच, जीने दी कैद, सरकार, जनौर ।

(C) जनौर, जीने दी कैद, सरकार, कच ।

(D) सरकार, कच, जीने दी कैद, जनौर ।

42. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A रंगमंची नाटकें ते रेडियो नाटकें दा प्रस्तुति पक्ख इक दुए शा खासा बक्खरा ऐ ।

R की जे रंगमंची नाटकें दी मंच उप्पर प्रस्तुति होने करी उं'दे च दृश्शात्मकता दा गुण वी मजूद होंदा ए,ज्रेहड़ी गल्ल दिक्खने कन्नै पूरी होई जंदी ऐ, ओह् रेडियो नाटकें च सुनने मात्तर कन्नै आवाज़ दे तुआर-चढ़ाऽ कन्नै मसूस करनी पौंदी ऐं ।

(A) A स्हेई ऐ ते R उसदी युक्ति संगत व्याख्या करा करदा ऐ ।

(B) A गल्त ऐ ते R ठीक ऐ ।

(C) A ते R दोऐ स्हेई न । पर R उसदी स्हेई व्याख्या नेईं करा करदा ।

(D) A स्हेई ऐ ते R गल्त ।

43. इं'दे च मदन मोहन हुंदा नाटक ऐ :

(A) कूंशजादी ।

(B) यात्रु ।

(C) सत्त जमां सत्त ।

(D) बावा जितमल ।

44. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	सरकार	(i)	रामनाथ शास्त्री
(ब)	इक परछामां बदली दा	(ii)	मोहन सिंह
(स)	काला सूरज	(iii)	मदन मोहन शर्मा
(द)	अन्ना युग	(iv)	नरसिंह देव जम्वाल

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

45. 'बावा जित्तो' दे जीवन पर डोगरी च नाटक लिखने आह्ले न :

(अ) जितेन्द्र शर्मा, कविरत्न, विष्णु भारद्वाज ।

(ब) रामनाथ शास्त्री, विश्वनाथ खजूरिया, ज्ञान सिंह ।

(स) रत्न दोशी, ज्ञानसिंह पगोच, जितेन्द्र उधमपुरी ।

(द) डी.सी. प्रशांत, विश्वनाथ खजूरिया, मोहन सिंह ।

(A) (ब) ते (स) ठीक न ।

(B) (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (ब) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ) ते (स) ठीक न ।

46. रस :

(अ) भारती काव्यशास्तर दा इक मानता-प्राप्त काव्य-सिद्धान्त ऐ ।

(ब) भरत मुनि दे नाट्य शास्त्र च इस सिद्धान्त दी स्पश्ट व्याख्या मिल दी ऐ ।

(स) इसदे संस्थापक आचार्य वामन न ।

(द) रस दी स्थापना औचित्य सिद्धान्त दे पिच्छूं होई ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न ।

(B) (अ) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (स) ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	आचार्य वामन	(i)	अलंकार सिद्धान्त दे प्रवर्तक
(ब)	आचार्य क्षेमेन्द्र	(ii)	ध्वनि सिद्धान्त दे प्रवर्तक
(स)	आचार्य आनन्दवर्धन	(iii)	रीति सिद्धान्त दे प्रवर्तक
(द)	आचार्य भामह	(iv)	औचित्य सिद्धान्त दे प्रवर्तक

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(C)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(D)	(iv)	(i)	(iv)	(ii)

48. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें डोगरी साहित्य-आलोचना-परक पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) डोगरी साहित्य चर्चा, परख पड़ताल, नजर अपनी-अपनी, डोगरी साहित्य परचोल ।

(B) डोगरी साहित्य परचोल, डोगरी साहित्य चर्चा, परख पड़ताल, नजर अपनी-अपनी ।

(C) डोगरी साहित्य चर्चा, नजर अपनी-अपनी, परख पड़ताल, डोगरी साहित्य परचोल ।

(D) नजर अपनी-अपनी, परख पड़ताल, डोगरी साहित्य चर्चा, डोगरी साहित्य परचोल ।

49. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A जिस शब्द-शक्ति राहें शब्द दे मुख्यार्थ गी छोड़ियै उस कन्नै सरबंधत कुसै दुए अर्थ दा बोध होंदा होऐ उसी लक्षणा आखदे न ।

R की जे अभिधार्थ अर्थात् वाच्यार्थ स्हेई ग्रैह्ण नेईं होई सकदा जियां 'नैहरा पर घर होना' प्रयोग च । की जे 'नैह्रा च बगदे पानियै उप्पर घर-मकान दा बनाया गेदा होना स्हेई नेईं ऐ ।'

(A) A ते R दोऐ ठीक न ते R A दी उदाहरण देहयै स्पष्ट करने लेई व्याख्या करदा करा करदा ऐ ।

(B) A ठीक ऐ ते R भलेआं ठीक ऐ की जे एह् स्हेई उदाहरण पेश करियै अर्थ स्पश्ट करा करदा ऐ ।

(C) A गल्त ऐ ते R स्हेई ऐ ।

(D) A ते R दोऐ ठीक न ।

50. इं'दे च "पसंद अपनी-अपनी" आलोचना पुस्तक दे लेखक न :

(A) रामनाथ शास्त्री

(B) नारायण मिश्र

(C) लक्ष्मी नारायण शर्मा

(D) चंचल शर्मा

51. साहित्य गी परिभाशत करने आस्तै पच्छमी काव्य – शास्तरियें जि'नें काव्य-सिद्धान्तें दी स्थापना कीती, ओह्त :

(अ) यथार्थवाद, प्रतीकवाद ते अभिव्यंजनावाद ।

(ब) अलंकारवाद, ध्वनिवाद ते औचित्यवाद ।

(स) आदर्शवाद, प्रतीकवाद ते अनुकरणवाद ।

(द) रीतिवाद, अलंकारवाद ते प्रतीकवाद ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न ।

(B) (अ) ते (स) ठीक न ।

(C) (अ) ते (द) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

52. पैह्‌ली चंदी च दित्ती गे दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	सं'आं घिरदियां चित्त कलमाई जंदा	(i)	यमक
(ब)	चिड़ चिड़ करियै चु'जां मारै	(ii)	श्लेश
(स)	जो लैह्‌र कनारा टप्पी जा ओह् लैह्‌र कनारै होई जंदी	(iii)	अनुप्रास
(द)	इक नार सौ बमार ।	(iv)	वियोग श्रृंगार

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(B)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(C)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(D)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

53. मिज्जरां :

(अ) इक जनानका डोगरा तेहार ऐ

(ब) सौन म्हीने दी संगरांदी गी मनाया जंदा ऐ ।

(स) सकोलड़ें नांऽ दे गोटे-कनारी दे कँाटे गी आखेआ जंदा ऐ ।

(द) इस तेहारा पर बर्त रक्खेआ जंदा ऐ ।

(A) (अ) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (स) ते (द) ठीक न ।

54. पैह्‌ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	राह्‌ड़े	(i)	तीरथ-जातरा परा परतोने पर कीती जाने आह्‌ली धाम्
(ब)	काह्‌न-गोपियां	(ii)	जन्माष्टमी मगरा औने आह्‌ली कास्ती
(स)	बच्छदुआह्	(iii)	नरातें दी नौमी पर राधा-कृष्ण दा रूप धारने दी खढे
(द)	छिद्‌दर	(iv)	हाड म्हीनै खेढी जाने आटली कुड़ियें दी इक खेढ ।

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(C)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

55. विक्रमी संवत् दे स्हाबें मनाए जाने आह्ले तेहारें दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) गुग्गेआनौमी, रक्खड़ी, होली, बसोआ ।

(B) रक्खड़ी, होली, बसोआ, गुग्गेआनौमी ।

(C) होली, रक्खड़ी, गुग्गेआनौमी, बसोआ ।

(D) बसोआ, रक्खड़ी, गुग्गेआनौमी, होली ।

56. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A 'कारकां' त 'बारा' दोए डोगरी लोकगाथां न ते छंदोबद्ध होने कारण सुरताल च गाइयां जंदियां न ।

R इ'नें गी गाने आह्ले बी बक्खरे – बक्खरे लोक होंदे न । "कारकां" जोगी – गारड़ी लोक गांदे न ते 'बारां' दरेस लोक । इ'नें गी गाए जाने दे थाह्र बी बक्ख-बक्ख गै होंदे न । काटकां देवी-देवतें दे स्थानें पर गाइयां जंदियां न ते 'बारां' मेलें-मसाहदें उप्पर ।

A आंशिक रूपा च स्हेई ऐ पर

R उसगी पूर्णता प्रदान करा कर दा ऐ इस करी

(A) A स्हेई ऐ ।

(B) बी इक्कला स्हेई नेईं ऐ ।

(C) A ते R दोऐ गल्त न ।

(D) A ते R द ठीक न ।

57. इ'न्दे च लोक कत्थें दी कताबऐ :

(A) खारे-मिट्ठे अत्थरूं ।

(B) जि'यां उ'न्दे दिन फिरे ।

(C) चाँदी मढ़ोइयां औंसियां, सुन्ने मढ़ोए बोल

(D) कशमीर दर्पण

58. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	मूलै कोला ब्याज प्यारा	(i)	कुदरत बारै खुआन
(ब)	पानी पीचै पुनियै, गुरु बनाचै चुनियै	(ii)	जाति सरबंधी खुआन
(स)	ब्रैह्मण नेईं बपारै च ते इल्ल नेईं शकारै च	(iii)	खान-पीन बारै खुआन
(द)	दक्खन बदल परौहने, घर बदलें दे प्हाड़े	(iv)	रिश्तें बारै खुआन

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(B)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(C)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(D)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

59. चौक पूरना :

(अ) नमी लाड़ी दे घर प्रवेश लेई बनाया गेदा भूमि-चित्तर

(ब) राह्ड़ें दें कोल पाएगे दे भूमि चित्तर

(स) कत्ते म्हीने दी कास्ती पर तुलसी दे कन्नै पाए गेदे भूमि चित्तर

(द) तीरथ करियै घर परतोने आह्ले दे सुआगता च कीता गेदा भूमि चित्तर

(A) (अ) ते (स) ठीक न ।

(B) (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (स) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

60. सुहागपुड़ा, कलीरे, कलियर ते चूड़ा :

(अ) ब्याह् कन्नै सरबंधत जनानके गैह्ने न ।

(ब) मर्दानके गैह्ने न ।

(स) चारै कुड़ी दे सौह्रें पासेआ दित्ते जंदे न ।

(द) सिर्फ दो गै प्यौके पासेआ दित्ते जंदे न ।

(A) (अ) ते (द) स्हेई ऐ ।

(B) (अ) ते (ब) स्हेई ऐ ।

(C) (ब) ते (स) ठीक ऐ ।

(D) (स) ते (द) ठीक ऐ ।

61. अन्तर भाशाई अनुवाद :

(अ) रोमन जैकबसन आसेआ बखानेआ गेदा अनुवाद दा पैह्ला स्तर ऐ ।

(ब) एह् पैह्ली जमाती दा अनुवाद इक्कै भाशा च होंदा ऐ ।

(स) इस चाल्ली दा अनुवाद शिक्षा च म्हत्तवपूर्ण भूमिका नभांदा ऐ ।

(द) टीका, भाष्य, व्याख्या आदि इस्सै दे तैह्त औंदे न ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ), (ब), (स) ते (द) सब्भै ठीक न ।

(D) सिर्फ (अ) ते (स) ठीक न ।

62. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	श्री राधा	(i)	नाटक-अनुवाद
(ब)	बाकी इतिहास	(ii)	उपन्यास-अनुवाद
(स)	चाननी दे चोर	(iii)	गद्यानुवाद
(द)	अज्जै दा भारती साहित्य	(iv)	काव्यानुवाद

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

63. राजावलि, सिद्धांत शिरोमणि, धर्म पुस्तक उपनिषद् अनूदित पुस्तकें दा प्रकाशन काल-क्रम दे स्हाबें स्हेई क्रम ऐ :

(A) राजावलि, धर्म पुस्तक, सिद्धांत शिरामणि, उपनिषद् ।

(B) राजावलि, सिद्धांत शिरोमणि, उपनिषद्, धर्म पुस्तक ।

(C) धर्म पुस्तक, उपनिषद्, राजावलि, सिद्धांत शिरोमणि ।

(D) उपनिषद्, धर्म पुस्तक, राजावलि, सिद्धांत शिरोमणि ।

64. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

A आंतर भाशाई अनुवाद अंतर भाशाई अनुवाद कशा मता म्हत्त्वपूर्ण ऐ । एह् अजकनें जीवन दे कार-व्यहार कन्नै मता सरबंधत ऐ ।

R अज्ज बचार-बटांतरे दा युग ऐ । इस करी नमीं भाशा सिक्खने, साहित्य दा तुल्नात्मक अध्ययन करने, ज्ञान विज्ञान दे बटांतरे करी इस दो-भाशी अनुवाद दी अहमीयत सैह्जें सिद्ध ऐ ।

(A) A ते R दोऐ ठीक नईं ।

(B) A ठीक ऐ ते R ठीक नेईं ।

(C) A ते R दोऐ गल्त न ।

(D) A ठीक ऐ ते R बी ठीक ऐ, पर R A गल्ल गी युक्ति-युक्त ढंगै कन्नै सिद्ध करदा ऐ ।

65. हिमांशु जोशी दे उपन्यास 'कगार की आग' दे डोगरी अनुवाद दा नांऽऐ :

(A) लोरे ।

(B) धारां ते लोरे ।

(C) अक्खीं दी रड़क ।

(D) धूंड गै धूंड ।

66. अलका सरावगी दे हिंदी उपन्यास 'कलिकथा वाया वाइपास' दा डोगरी अनुवाद :

(अ) कलकत्ते दी क्हानी : वाया वाइपास नांऽ कन्नै छपेआ ।

(ब) वीणा गुप्ता ने कीता ।

(स) 2007ई. च छपेआ ।

(द) साहित्य अकादेमी ने छापेआ ।

(A) (अ) ते (ब) ठीक न ।

(B) सिर्फ (अ) ठीक ऐ ।

(C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(D) (अ), (ब), (स) ते (द) सब्भै ठीक न ।

67. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-1		**चंदी**-2
(अ)	नीला कमल	(i)	आषाढ़ का एक दिन
(ब)	मल्लिका	(ii)	लोअर डैप्थ्स
(स)	पतालबासी	(iii)	अकाल में सारस
(द)	बरसगंढे दी धुप्प	(iv)	मैला आंचल

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

68. सी. राजगोपालाचार्य, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, शेक्सपीयर ते शंभुमित्र नांऽ दे रचनाकारें दे क्रम-अनुसार इंदियें डोगरी च अनूदित रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(A) रामायण, मालिनी, मेकबेथ, सुन्नाते सुआर्थ ।

(B) मालिनी, सुन्ना ते सुआर्थ, मेकबेथ, रामायण ।

(C) रामायण, मेकबेथ, सुन्ना ते सुआर्थ, मालिनी ।

(D) मेकबेथ, रामायणष मालिनी, सुन्ना ते सुआर्थ ।

69. लोक चित्र कला दे नमूने न :
(अ) चौक पूरना
(ब) भिति चित्र
(स) ठप्पा छपाई
(द) तुलसी चित्रना
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।
(D) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

70. टैलीविजन :
(A) जनसंचार दा द्रिश्श माध्यम ऐ ।
(B) जनसंचार दा सधारण माध्यम ऐ ।
(C) जनसंचार दा द्रिश्श-श्रव्य माध्यम ऐ ।
(D) जनसंचार दा परम्परागत माध्यम ऐ ।

71. समूह् संचार च :
(अ) समूह् दी भागीदारी होंदी ऐ ।
(ब) इक-दूए गी समझने दा मौका नेईं मिलदा ।
(स) संसार दी प्रक्रिया प्रतक्ख होंदी ऐ ।
(द) समूह् दे भावें-विचारें ते समस्याएं पर चर्चा होंदी ऐ ।
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।
(B) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
(D) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

72. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1	**चंदी**-2
(अ) जागरना	(i) दस्तकारी
(ब) राड़े	(ii) लोकसंगीत
(स) तोरण	(iii) लोकनाच
(द) भाख	(iv) लोक चित्रकला

कोड :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

73. कुंभ, सफेद रंग, होई, फुलकारी क्रम दे स्हाबें जनसंचार दे परम्परागत माध्यमे दा स्हेई क्रम ऐ :
(A) मंगल कामना, शांति दा प्रतीक, दस्तकारी, लोक चित्रकला
(B) मंगल कामना, लोक चित्रकला, शांति दा प्रतीक, दस्तकारी
(C) शांति दा प्रतीक, दस्तकारी, लोक चित्रकला, मंगल कामना
(D) मंगल कामना, शांति दा प्रतीक, लोक चित्रकला, दस्तकारी

74. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमैंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :
A भाशा ने संसार गी इक नमां आयाम दित्ता ऐ ते संचार दे आधुनिक साधनें संचार दे क्षेत्र च इक नमी क्रांति पैदा कीती ऐ ।
R कीजे संचार दे माध्यम उ'आं ते नेकां न पर भाशा उंदे चा प्रमुख रेही ऐ । भाशा दे माध्यम भामें लोक कत्थां, गीत होन जां रेडियो, टैलीविजन दे प्रोग्राम होन ।
(A) A स्पश्ट नेईं ऐ ते R A दी आंशिक व्याक्या करदा ऐ ।
(B) A स्हेई ऐ ते R A दी पुश्टि करदा ऐ ।
(C) A गल्त ऐ ते R A दी पुश्टि नेईं करदा ऐ ।
(D) A स्हेई ऐ पर R गल्त ऐ ।

75. डोगरी दा पैह्ला अखबार प्रकाशत होए दा ऐ :
(A) महाराजा प्रतापसिंह हुंदे शासन काल च ।
(B) महाराजा हरि सिंह हुंदे शासन काल च ।
(C) मुलख राज सराफ हुंदे संपादन च ।
(D) वेद भसीन हुंदे संपादन च ।

Space For Rough Work